

क्षपिरा में बढ़ते प्रदूषण पर CAG की रपिर्ट में चत्ता जताई गई

चर्चा में क्यों?

भारत के [नयित्तरक एवं महालेखा परीकषक](#) की रपिर्ट के अनुसार, कई राज्य सरकारी एजेंसियों के हस्तकषेप के बावजूद, क्षपिरा नदी प्रदूषति बनी हुई है।

मुख्य बदि:

- इसमें बताया गया है क क्षपिरा उप-बेसनि के कुप्रबंधन और भुजल के दोहन के कारण नदी का प्राकृतकि प्रवाह कम हो गया है।
- इस रपिर्ट में कहा गया है क स्थानीय शहरी नकियाँ का अपशषिट नदी में प्रवाहति हो रहा है।
- औद्योगकि अपशषिट के अपर्याप्त उपचार, नदी तल पर प्रदूषण के कारण क्षपिरा जल और उसकी सहायक नदियों की गुणवत्ता में गरिवट आई है।
- CAG ने अपनी रपिर्ट में सफिराशि की है क मध्य प्रदेश प्रदूषण नयित्तरण बोर्ड को उद्योगों पर उचति और पर्याप्त नगरानी सुनश्चिति करनी चाहिये।
- लोक निर्माण वभिग की रपिर्ट में राज्य में निर्माणाधीन पुलों के पूरा होने में देरी का उल्लेख कया गया है और कहा गया है क अकतूबर 2020 तथा सतिंबर 2021 के बीच पाँच डविोजनों में जनि 72 नमूना पुलों की जाँच की गई, उनमें से केवल नौ समय पर पूरे हुए थे।

क्षपिरा नदी

- यह मध्य प्रदेश राज्य की एक बारहमासी नदी है
- इसका उदगम बधिय परवतमाला में काकरी-टेकड़ी नामक पहाड़ी से होता है, जो धार के उत्तर में है और उज्जैन से 11 कमी. की दूरी पर स्थति है।
- यह नदी 195 कमी. लंबी है, जसिमें से 93 कमी. उज्जैन से होकर बहती है।
- यह मालवा पठार से होकर बहती हुई चम्बल नदी में मलि जाती है
- धार्मकि महत्त्व:
 - पुराणों या प्राचीन हदि ग्बंधों में कहा गया है क क्षपिरा की उत्पत्ति भगवान वषिणु के वराह अवतार के हृदय से हुई है।
 - इसके अलावा क्षपिरा के तट पर ऋषि सिंदीपनिका आश्रम है, जहाँ भगवान वषिणु के आठवें अवतार कृषण ने अध्ययन कया था।
 - इसका उल्लेख न केवल प्राचीन हदि ग्बंधों में बल्कि बौद्ध और जैन ग्बंधों में भी मलिता है।
 - पवतिर शहर उज्जैन क्षपिरा नदी के दाहनि कनारे पर स्थति है। प्रसदिध कुंभ मेला इस शहर के घाट पर प्रत्येक 12 वर्ष में एक बार लगता है, जो देवी क्षपिरा नदी का वार्षकि उत्सव है।
 - इसकी प्रमुख सहायक नदियाँ खान और गंभीर हैं।